

| वर्णः | स्वरः | कालः | स्थानम् | आभ्यन्तरप्रथतः | बाह्यप्रयत्नाः । |
|-----------------------------------|------------------------|--------------------|---------------------|------------------|----------------------------|
| अ | उदात्तानुदात्तस्वरिताः | एकमात्रोच्चस्वः | कण्ठः | विहृतम् | संवारनादघोषाः अल्पप्राणश्च |
| आ | उदा० २ | द्विमात्रोदीर्घः | कण्ठः | विहृतम् | संवारनादघोषाः अल्पप्राणश्च |
| इ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | घः | तत् | ते सच |
| ए | उदा० २ | एकमात्रोच्चस्वः | तालु | तत् | ते सच |
| ई | उदा० २ | २ द्विमात्रोदीर्घः | तत् | तत् | ते सच |
| इ२ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | तत् | तत् | ते सच |
| उ | उदा० २ | एकमात्रोच्चस्वः | ओष्ठौ | तत् | ते सच |
| ऊ | उदा० २ | द्विमात्रोदीर्घः | तौ | तत् | ते सच |
| उ२ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | तौ | तत् | ते सच |
| ऋ | उदा० २ | एकमात्रोच्चस्वः | मूर्धा | तत् | ते सच |
| ॠ | उदा० २ | द्विमात्रोदीर्घः | घः | तत् | ते सच |
| ऋ२ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | घः | तत् | ते सच |
| ॡ | उदा० २ | एकमात्रोच्चस्वः | दन्तमूलम् | तत् | ते सच |
| ॢ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | तत् | तत् | ते सच |
| अख्य दीर्घाभावेऽपि लकारद्वययोगात् | | द्विमात्रता | दन्तमूलम् | तत् ईषत्स्वृट् च | ते सच |
| ए | उदा० २ | द्विमात्रोदीर्घः | कण्ठतालुनी | विहृतम् | ते सच |
| ए२ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | कण्ठतालुनी | तत् | ते सच |
| ऐ | उदा० २ | द्विमात्रोदीर्घः | कण्ठतालुनी | तत् | ते सच |
| ऐ२ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | कण्ठतालुनी | तत् | ते सच |
| ओ | उदा० २ | द्विमात्रोदीर्घः | कण्ठोष्ठी | तत् | ते सच |
| ओ२ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | कण्ठोष्ठी | तत् | ते सच |
| औ | उदा० २ | द्विमात्रोदीर्घः | कण्ठोष्ठौ | तत् | ते सच |
| औ२ | उदा० २ | त्रिमात्रःप्लुतः | कण्ठोष्ठौ | तत् | ते सच |
| एषामनुनासिकत्वे उदा० | | यद्यप्राप्तम् | यथास्थानं नासिकाऽपि | तत् | यद्यप्राप्तं बाह्याः |
| अनुस्वारस्य | ० | ० | नासिका | स्वृट् | संवारनादघोषा महाप्राणश्च |
| : विषर्गस्य | ० | ० | कण्ठः | स्वृट् | विवारनासाघोषा महाप्राणश्च |
| +क+ख | ० | ० | जिह्वामूलम् | स्वृट् | विवारादयः महाप्राणश्च |
| पूँफ | ० | ० | ओष्ठौ | स्वृट् | विवारादयः महाप्राणश्च |
| क | ० | अर्द्धमात्रा | कण्ठमूलम् | स्वृट् | विवारनासाघोषा अल्पप्राणश्च |
| ख | ० | अर्द्धमात्रा | तत् | तत् | विवारादयः महाप्राणश्च |
| ग | ० | सा | तत् | तत् | संवारनादघोषा अल्पप्राणश्च |
| घ | ० | सा | तत् | तत् | संवारादयः महाप्राणश्च |
| ङ | ० | सा | तत् नासा च | तत् | संवारादयः अल्पप्राणश्च |
| च | ० | अर्द्धमात्रा | तालु | तत् | विवारादयः अल्पप्राणश्च |
| छ | ० | सा | तत् | तत् | विवारादयः महाप्राणश्च |
| ज | ० | सा | त | तत् | संवारादयः अल्पप्राणश्च |